मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MHD–01

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.डी.–01 : हिन्दी काव्य–1

(आदि काव्य, भक्ति काव्य, रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) कबरी–भय चामरि गिरि–कन्दर मुख–भय चाँद अकासे।

हरिनि नयन–भय, सर–भय कोकिल गति–भय गज बनबासे॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

सुन्दरि, किए मोहि सँभासि न जासि।

तुअ डर इह सब दूरहि पड़ाएल तोहें पुन काहि डरासि॥

कुच–भय कमल–कोरक जल मुदि रहु घट परवेस

हुतासे।

दाड़िम–सिरिफल गगन बास करु सम्भु गरल करु

ग्रासे॥

(ख) नैहर मैं दाग लगाय आय चुनरी।

ऊ रँगरेजबा के मरम न जानै,

नहिं मिलै धोबिया कौन करै उजरी।

तन कै कूँड़ी ज्ञान के सौंदन,

साबुन महँग बिचाय या नगरी।

(ग) दसन चौक बैठे जनु हीरा।

औ बिच बिच रंग स्याम गंभीरा॥

जस भादो निसि दामिनी दीसी।

चमकि उठै तस बनी बतीसी॥

वह सुजोति हीरा उपराहीं।

हीरा जाति सो तेहि परछाहीं॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(घ) तू दयालु, दीन हौं, तु दानि, हौं भिखारी।

हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पापपुंज–हारी॥

नाथ तू अनाथ को, अनाथ कौन मोसो ?

मो समान आरत नहिं, आरतिहर तोसो॥

ब्रह्म तूँ, हौं जीव तू ठाकुर, हौं चेरो।

तात मात, गुरु सखा तू सब बिधि हितू मेरो॥

2. 'पृथ्वीराज रासो' में चित्रित 'कनवज्ज समय' के षट्ऋतु वर्णन पर प्रकाश डालिए। 10

3. विद्यापति की काव्यभाषा पर विचार कीजिए। 10

4. कबीर के काव्य में भाव–सौन्दर्य और कलात्मक सौष्ठव पर प्रकाश डालिए। 10

5. 'पद्मावत' में अभिव्यक्त जायसी की सूफीमत सम्बन्धी धारणाओं का विवेचन कीजिए। 10

6. भक्ति आन्दोलन के आलोक में सूरदास का मूल्यांकन कीजिए। 10

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

2×5=10

(क) सामन्ती रूढ़ियों के प्रति मीरा का विद्रोह

(ख) तुलसी के काव्य में सामाजिक चित्रण

(ग) घनानंद की प्रेमानुभूति का स्वरूप

(घ) पद्माकर का श्रृंगार वर्णन

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com